



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 951]  
No. 951]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 19, 2009/ज्येष्ठ 29, 1931  
NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 19, 2009/JYAISTHA 29, 1931

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधायी विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 19 जून, 2009

का.आ. 1522(अ).—भारत सरकार के विधि और न्याय मंत्रालय (विधायी विभाग) की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 1263(अ), तारीख 18 मई, 2009 के, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खण्ड (ii) में उसी तारीख में प्रकाशित की गई थी, पृष्ठ 2 पंक्ति 13 के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित करें :-

“संविधान के अनुच्छेद 103 के खंड (1) के अंतर्गत राष्ट्रपति के आदेश दिनांक 16 मई, 2009 का उपाबंध”।

[फा. सं. एच-11026(1)/2009-विधायी 2]

टी. के. विश्वनाथन, सचिव

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Legislative Department)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 19th June, 2009

S.O. 1522(E).—In the notification of the Government of India in the Ministry of Law and Justice (Legislative Department), number S.O. 1263(E), dated the 18th May, 2009, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii) of same date, at page 5, after line 7, insert :—

“Annexure to the Order dated the 16th May, 2009 made by the President under clause (1) of article 103 of the Constitution”.

[F.No.H-11026(1)/2009-Leg. II]

T. K. VISWANATHAN, Secy.